बेले, अंतिम खच्चर

नागरिक अधिकारों की कहानी

कैल्विन रामसे
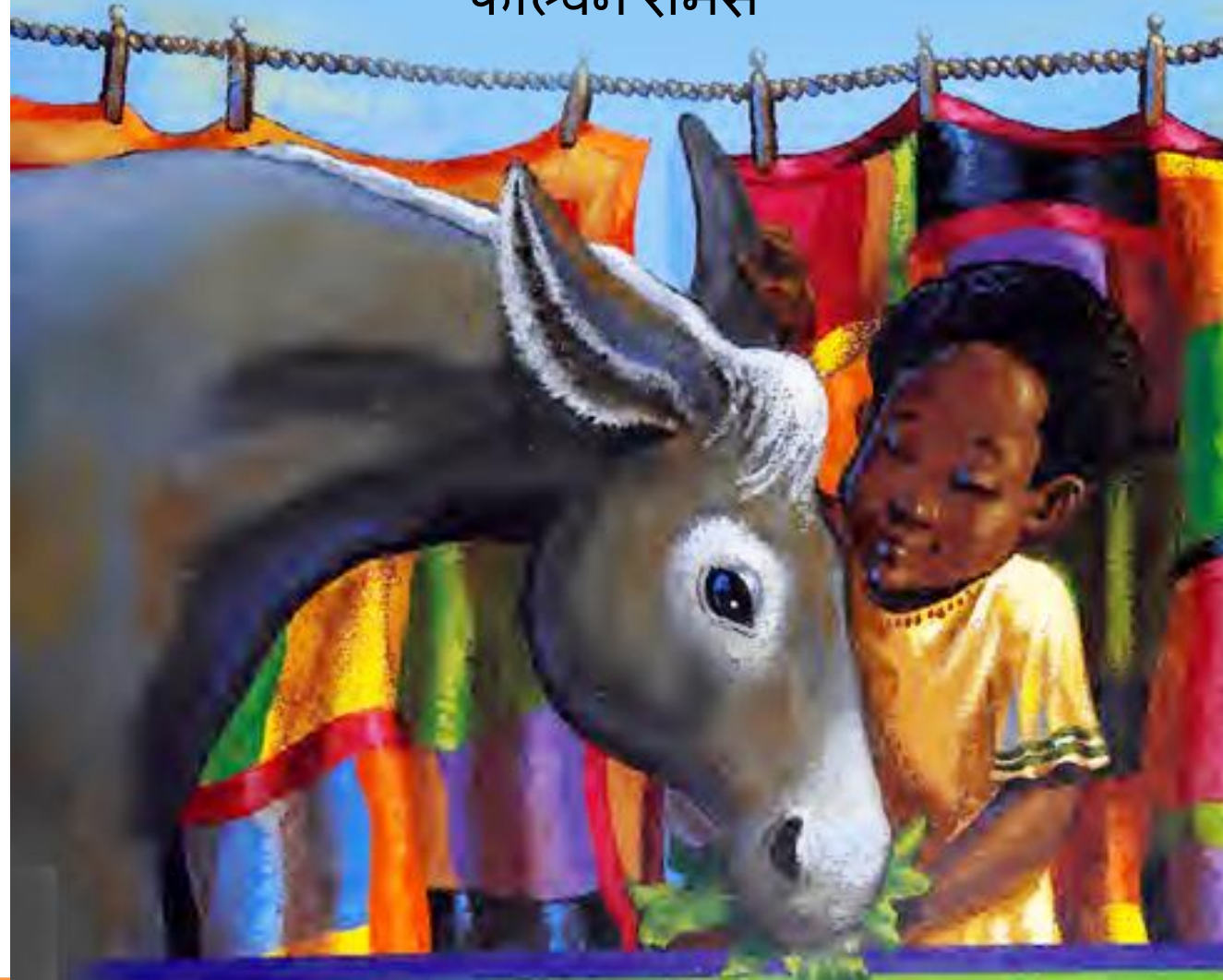
बेले, अंतिम खच्चर

नागरिक अधिकारों की कहानी

एलेक्स एक बेंच पर बैठा अपनी मां के इंतजार कर रहा था. उसने सामने के बगीचे में एक खच्चर को सब्ज़ियां खाते हुए देखा. जब मिज़ पेट्टवे एलेक्स के पास आकर बैठीं तो उन्होंने उसके बारे में पूछा.
"वो खच्चर बेले है?" उन्होंने कहा. "वो जितनी चाहे उतनी सब्ज़ी खा सकता है. क्योंकि उसने उसे कमाया है."

तो यहाँ गीस-बेंड, अलबामा, से शुरू होती है बेले खच्चर की कहानी. बेले एक साधारण खच्चर था और 1960 के नागरिक अधिकार आंदोलन में उसने के महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. यह कहानी वास्तविक घटनाओं पर आधारित है. डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर के भाषण से प्रेरित होकर अफ्रीकी अमेरिकी, निर्धन समुदाय ने अधिकारियों की खिलाफत करके खुद को वोट देने के लिए पंजीकृत किया. वोट देने के लिए उन्होंने खच्चरों से खींची गई वैगनों से यात्रा की. डॉ. किंग की हत्या के बाद, गीस-बेंड के दो खच्चरों ने अटलांटा की सड़कों पर डॉ. किंग के ताबूत वाली वैगन को खींचा.

जब उस युवा लड़के ने कोमल बेले की आँखों से देखा तो उसे व्यक्तिगत तरीके से अपने समाज का इतिहास समझ में आया. शायद पाठकों भी वैसा ही लगे.

बेले, अंतिम खच्चर

नागरिक अधिकारों की कहानी

एलेक्स एक स्टोर के बाहर बेंच पर बैठा था. वो जाकर खेलना चाहता था, लेकिन मां ने उससे वहां इंतजार करने को कहा था. वहां बैठे-बैठे एलेक्स को करने के लिए कुछ भी नहीं था. तभी उसने सड़क के पार के बगीचे में, एक बूढ़े खच्चर को चरते हुए देखा. हवा एकदम चुप थी. चीनाबेरी के पेड़ों की एक भी पत्ती हिल नहीं रही थी. इतना सन्नाटा था कि एलेक्स खच्चर को बगीचे में सब्ज़ी की हरी पत्तियां कुतरते हुए सुन सकता था. बीच-बीच में खच्चर अपने बड़े मुरझाये हुए कानों से मक्खियाँ भी उड़ाता था.

तभी एक बूढ़ी औरत धीरे-धीरे लकड़ी की सीढ़ियां चढ़कर दुकान तक पहुंची और एलेक्स की बगल में बेंच पर बैठ गई. उसने एक मुड़े हुए अखबार से खुद को पंखा किया. एलेक्स ने उसे अपनी आँख के एक कोने से देखा. वो औरत भी खच्चर को देख रही थी.

बूढ़ी औरत ने चुटकी ली और फिर नरम स्वर में कहा, "मुझे मसालेदार हरी सब्ज़ियां, सिरके और मीट के साथ पसंद हैं."

एलेक्स मुस्कुराया.

"मैं बस सोच रही थी कि वो बूढ़ा खच्चर भला सिर्फ हरी पत्तियां ही कैसे खा सकता है," महिला ने कहा.

"क्या उसे उन्हें खाने की अनुमति है, मेरा मतलब है वो किसी के बगीचे की सब्ज़ियों को उस तरह कैसे खा सकता है?" एलेक्स ने पूछा.
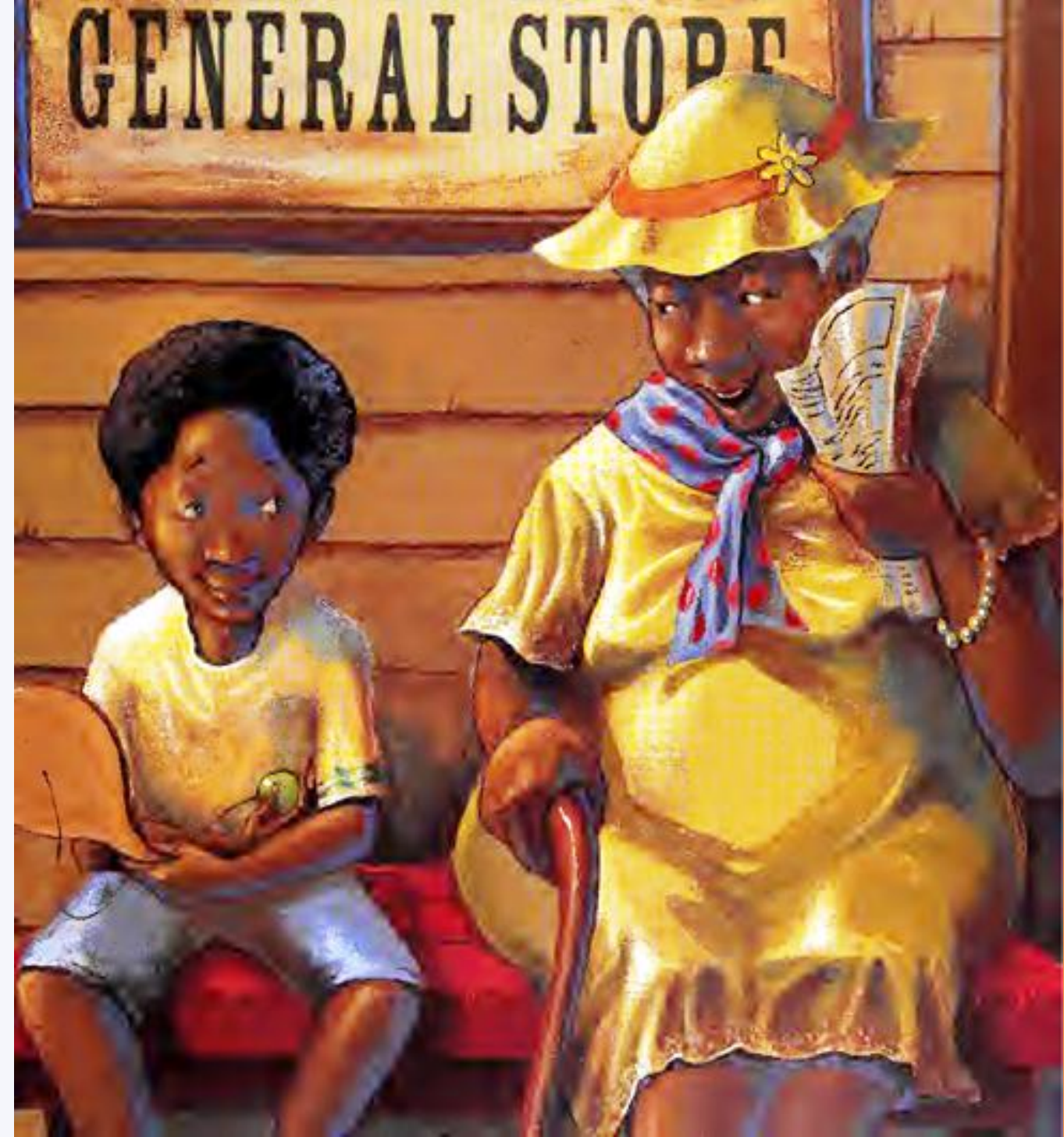
"बूढ़ी बेले! वह अपनी इच्छा के अनुसार जितनी चाहे उतनी हरी सब्ज़ी खा सकती है. उसने उन्हें कमाया है." महिला ने एलेक्स को सीधे देखते हुए कहा, "देखो, मैंने ही उस खच्चर को ढीला छोड़ा है. और वो मेरा ही बगीचा है. मैंने सोचा कि मैं कुछ देर छाया में आराम करूंगी, और फिर उसे बाहर भगा दूंगी."

"लेकिन, मैडम, आप उस खच्चर को अपने हरे पौधे क्यों खाने दे रही हैं?"

"बेटा मेरा नाम मिज़ पेट्टवे है," महिला ने कहा. "तुम्हारा क्या नाम है?"

"मैं एलेक्स हूं," लड़के ने जवाब दिया.

"ठीक है, एलेक्स, मेरे बगीचे में हम दोनों के लिए पर्याप्त सब्ज़ी है. और बेले एक बहुत ही विशेष खच्चर है. वो गीस-बेंड का हीरो है. मैं उसका सम्मान करना चाहती हूं."

"उस बूढ़े खच्चर के बारे में क्या खास है?" एलेक्स ने खड़े होते हुए पूछा.
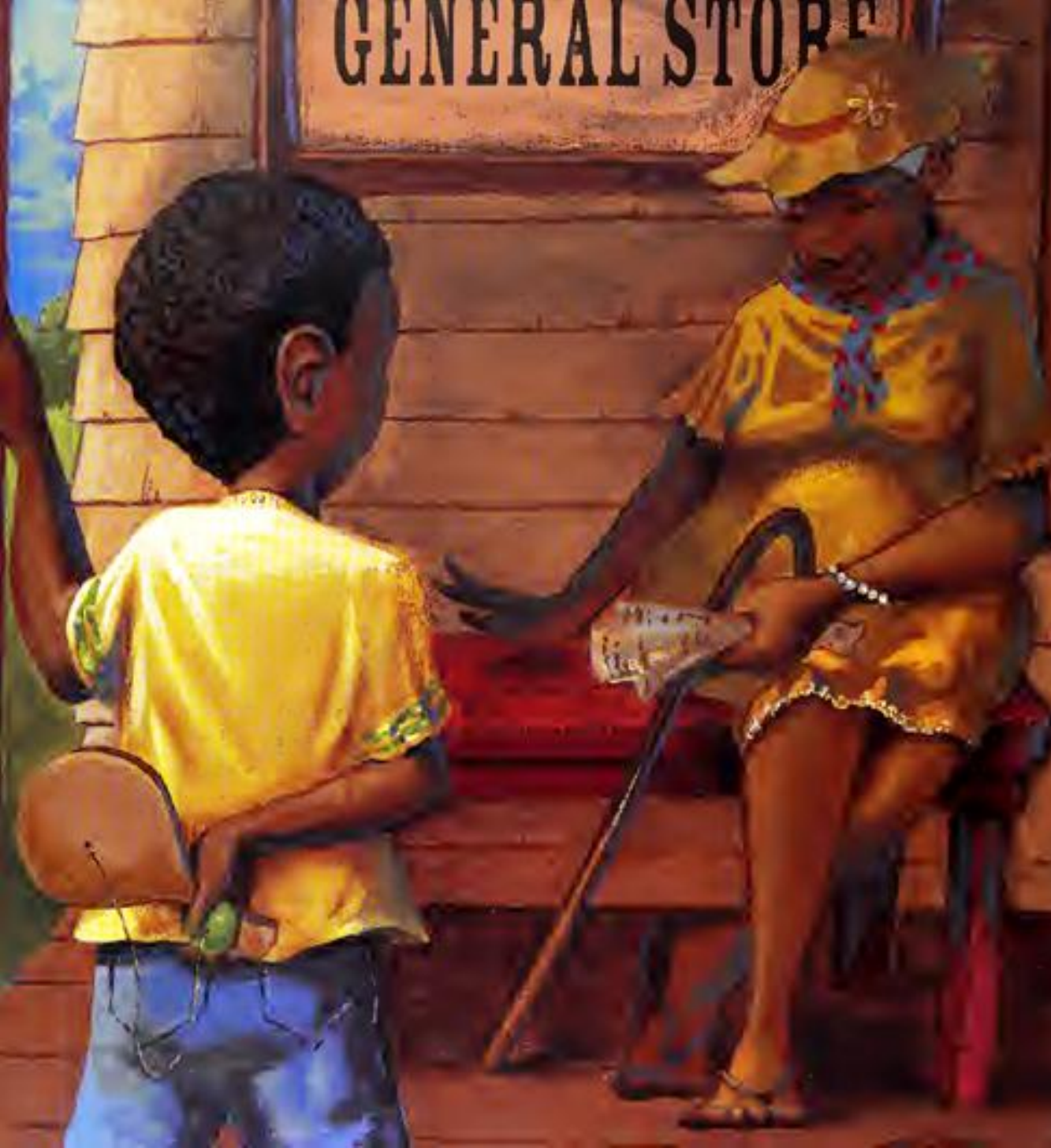
महिला ने एक गहरी सांस ली. "देखो यह एक लंबी कहानी है. अगर तुम्हारे पास कुछ समय हो तो मैं तुम्हें वो बता सकती हूँ."

एलेक्स हिचकिचाया. पहले तो उसे वो बुढ़िया पागल और सठियाई हुई लगी. लेकिन वो उत्सुक था, और उसे कुछ ख़ास काम भी नहीं था.

''गीस-बेंड हमेशा से एक गरीब बस्ती थी,'' महिला ने शुरू किया. "यहां खेतों के अलावा और कुछ भी नहीं था. खेतों में हल चलाने के लिए हमें हमेशा खच्चरों की जरूरत पड़ती थी. हम में बहुत कम लोग ही कार खरीद सकते थे."

"फिर लोग बाजार-हाट कैसे जाते थे?" एलेक्स ने पूछा.

"देखो हम लोग खुद को बेंडर्स बुलाते हैं - और इधर-उधर जाने के लिए हम खच्चरों का इस्तेमाल करते थे. बेले हमारे साथ बहुत सालों से है. वो हमारे साथ तब भी थी जब डॉ. मार्टिन लूथर किंग यहाँ भाषण देने आए थे. यह 1965 के आसपास की बात है."

"डॉ. मार्टिन लूथर किंग के बारे में हमें स्कूल में बताया गया था! क्या आप कभी उनसे मिली थीं?" एलेक्स ने पूछा.
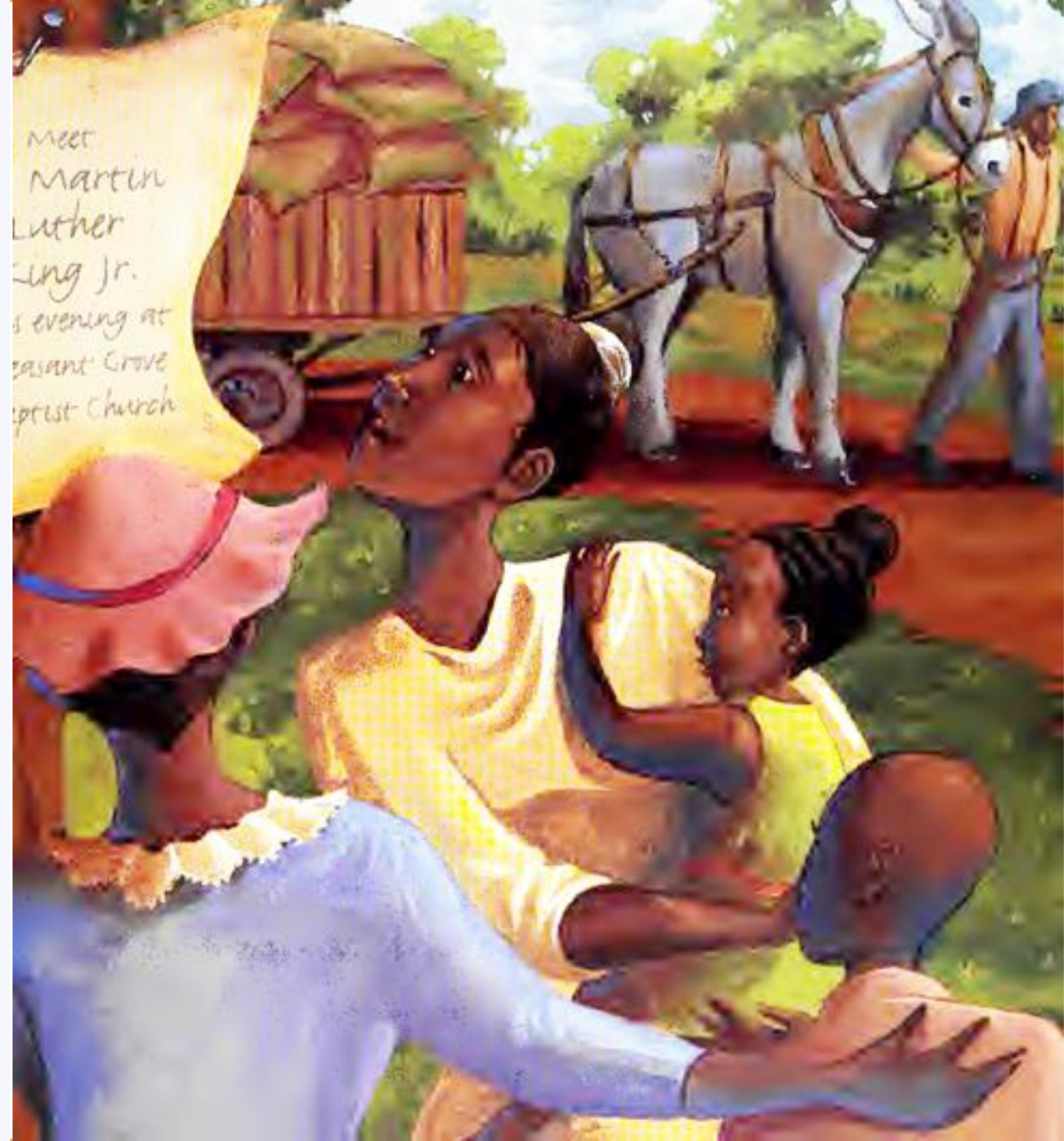
"हाँ बिल्कुल! उस रात एक भयानक तूफ़ान आया था. बहुत से लोगों ने सोचा कि डॉ. किंग हम गरीब लोगों से मिलने नहीं आएंगे. मैंने बेले के साथ यहां से कुछ ही दूर पर उनका इंतजार किया. अंत में आधी रात के बाद ही डॉ. किंग यहाँ पहुंचे. लेकिन उन्होंने उस रात भी हम सबसे बात की. उन्होंने प्लीजेंट ग्रोव बैपटिस्ट चर्च में हम लोगों को एक ज़ोरदार भाषण भी दिया!"

"उन्होंने क्या कहा?" एलेक्स ने पूछा.
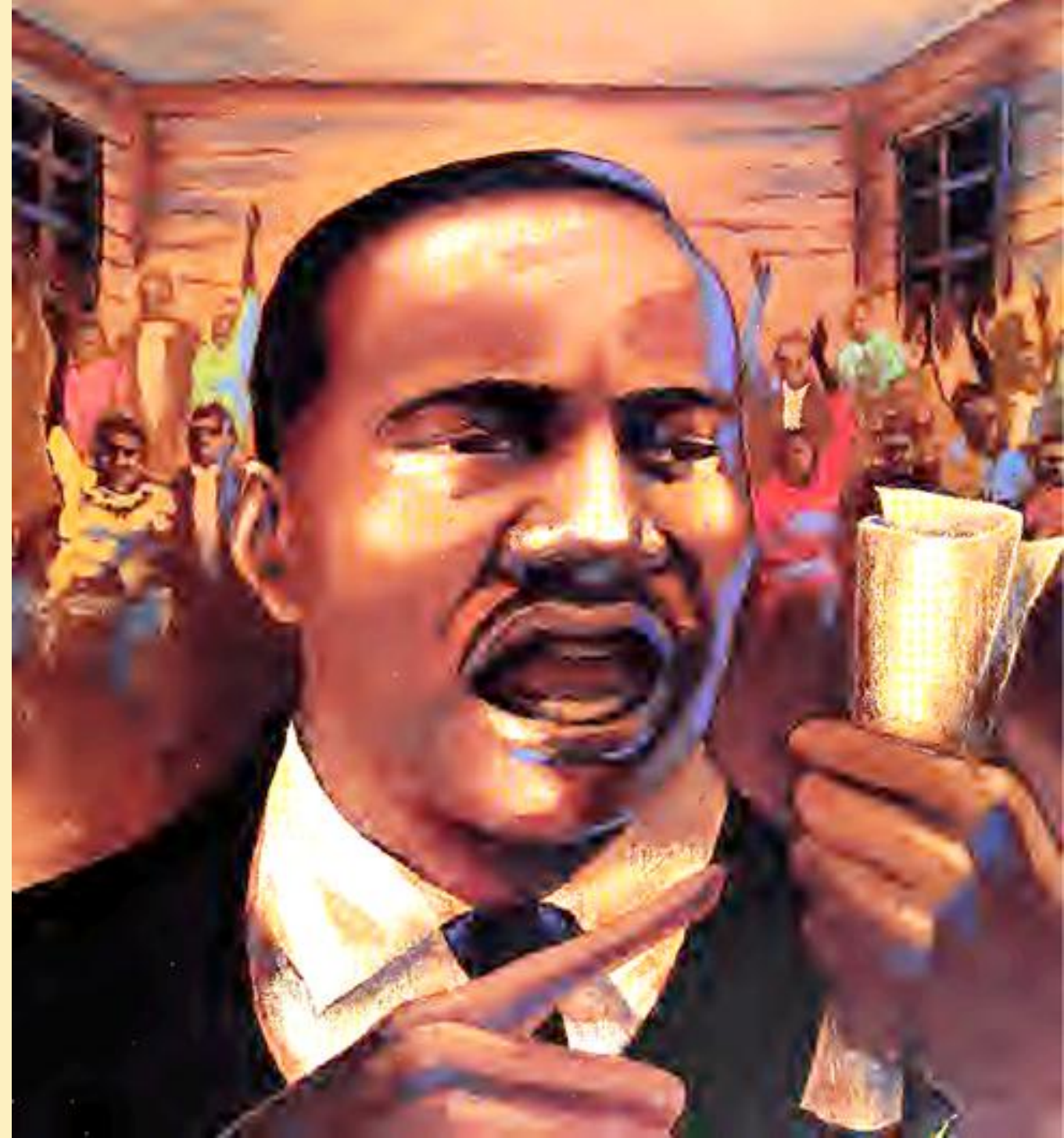
"ठीक है, उन दिनों, हमें कैमडेन जाने के लिए नदी पार करनी पड़ती थी. कैमडेन में कुछ दुकाने थीं और नौकरियां भी थीं. डॉ. किंग ने हमें नाव द्वारा कैमडेन जाकर अपना वोट पंजीकरण करने को कहा. "आजादी के लिए नदी पार करो!" उन्होंने सन्देश दिया. "भले ही हम लोग गरीब मिट्टी से जूझने वाले किसान, गुलामों के वंशज, और भार ढोने के लिए हमारे पास केवल खच्चर हों," उन्होंने कहा, "मैं यहाँ गीस-बेंड आया हूं - आपको यह बताने कि आपका भी एक अधिकार है!" डॉ. किंग ने बताया कि हम अश्वेत लोगों को भी वोट देने का अधिकार था.

"क्या तुम्हें पता है एलेक्स, उस समय विलकॉक्स काउंटी में किसी भी अश्वेत व्यक्ति ने कभी भी वोट करने की हिम्मत नहीं की थी."

"क्या आपको वोट देने से डर लगता था?" एलेक्स ने पूछा.

मिज़ पेट्टवे ने गहरी सांस ली और एक पल के लिए सोचा. "डॉ. किंग की बातों के बाद हम डरे हुए नहीं थे. हम खुद को अपने खच्चरों की तरह मजबूत महसूस करने लगे थे. और हमने वही किया जो डॉ. किंग ने हमसे करने को कहा था. इतने सारे लोग वोट रजिस्टर करने के लिए गए कि हमारी छोटी नाव डूबने लगी. कुछ बेंडर्स, डॉ. किंग के साथ सेल्मा, मॉन्टगोमरी, बर्मिंघम, और वाशिंगटन के मोर्चों में भाग लेने भी गए. बेंडर्स भी खच्चरों की तरह ही निष्ठावान होते हैं," मिज़ पेट्टवे ने कहा.

"हम स्कूल में उन मोर्चों के बारे में पढ़ा है!" एलेक्स ने जोड़ा.

"बहुत अच्छा. लेकिन हमने जो किया उसने कैमडेन के गोरे लोगों को अवश्य डराया होगा, क्योंकि गोरे लोगों ने तुरंत नाव की सेवा बंद कर दी. गोरा शेरिफ बड़ा बदमाश था और वो हमें अपनी औकात दिखाना चाहता था. उसने संवाददाताओं से कहा, "हमने नौका को इसलिए बंद नहीं किया क्योंकि वे काले थे. हमने नौका इसलिए बंद की क्योंकि वे लोग भूल गए कि वे काले थे."

"फिर जब वोट देने का समय आया, तो हमारे पास नदी पार करने का कोई रास्ता नहीं था. लेकिन अब हमें कोई रोक नहीं सकता था. बेंडेर्स, बूढ़ी बेले जैसे ही थे - वो फैंसी नहीं, पर मजबूत, अडिग और जिद्दी थे! हमने कुछ लोगों को कारों में भरा. उनमें लोगों को ठूस-ठूस कर फिट किया.

बाकी लोगों को खच्चरों ने ढोया. वोट देने वाले दिन लोग, नदी की परिक्रमा करके कैमडेन पहुंचे. वहां पहुंचने में उन्हें आधा दिन लग गया, लेकिन वो काम वाकई में करने लायक था. लोगों ने गीत गाए और पूरे शहर में तालियां बजाईं. कैमडेन के लोग वो देखकर हैरान रह गए!"

"आपने उन्हें दिखाया!" एलेक्स ने हंसते हुए कहा, "क्या इसी कारण से बेले एक हीरो है?"

"अभी और भी बहुत कुछ बाकी है. वोट करने के कारण बहुत से लोगों ने कैमडेन में अपनी नौकरी खो दी. चीजें खराब हो गईं. बिना नौकरी के, लोगों के पास घर में खाने के लाले पड़ गए. इसलिए हम में से कुछ अलबर्टा में "फ्रीडम क्विल्टिंग बी" में शामिल हुए. फिर हमने अपनी सामूहिक रज़ाई बनाने की कम्पनी शुरू की. देखो, गीस-बेंड की महिलाओं ने हमेशा से ही रज़ाइयां बनाई हैं. दुनिया में सबसे सुंदर रज़ाईयां यहीं बनती थीं. जल्द ही, हमारी रज़ाईयां पूरे अमरीका में बिकने लगीं. धीरे-धीरे हम प्रसिद्ध हो गए."

"इसीलिए मैं आज यहाँ हूँ! आज मेरी माँ यहाँ एक रजाई खरीदने के लिए आई हैं," एलेक्स ने समझाया. "यह उसका एक सुखद अंत है, क्यों?"

"लेकिन यह बेले के लिए कहानी का अंत नहीं है," मिज़ पेट्टवे ने नरम आवाज़ में कहा. "एलेक्स, 1968 में चौथी अप्रैल को क्या हुआ? क्या तुमने उसके बारे में स्कूल में पढ़ा है?"

एलेक्स ने मिज़ पेट्टवे की आँखों में देखा. वो बहुत दुखी लग रही थीं. "उस दिन डॉ. किंग को गोली लगी थी, क्यों?" उन्होंने पूछा, और फिर पहली बार अलेक्स ने खुद को भी उदास महसूस किया.

"हाँ, गीस-बेंड में हर कोई दुखी था." मिज़ पेट्टवे ने गहरी सांस ली और फिर पेड़ों की ओर देखा. हल्की सी हवा पत्तियों को हिला रही थी.

"हमें एक फोन आया, जिसमें डॉ. किंग के अंतिम संस्कार के दौरान अटलांटा की सड़कों पर उनका ताबूत खींचने के लिए हमारे खच्चरों को बुलाया गया था. उस समारोह के लिए वे हमारे खच्चरों का उपयोग करना चाहते थे, न कि फैंसी घोड़ों का. खच्चर अपना समय लेते हैं, कड़ी मेहनत करते हैं, और कभी हार नहीं मानते हैं. खच्चर सुंदर नहीं होते हैं, लेकिन उनका भी एक वज़ूद होता है! यह हमारे लिए बेहद सम्मान की बात थी कि डॉ. किंग के अंतिम संस्कार के दौरान बेंडर्स के खच्चर उपयोग किए जाएं.
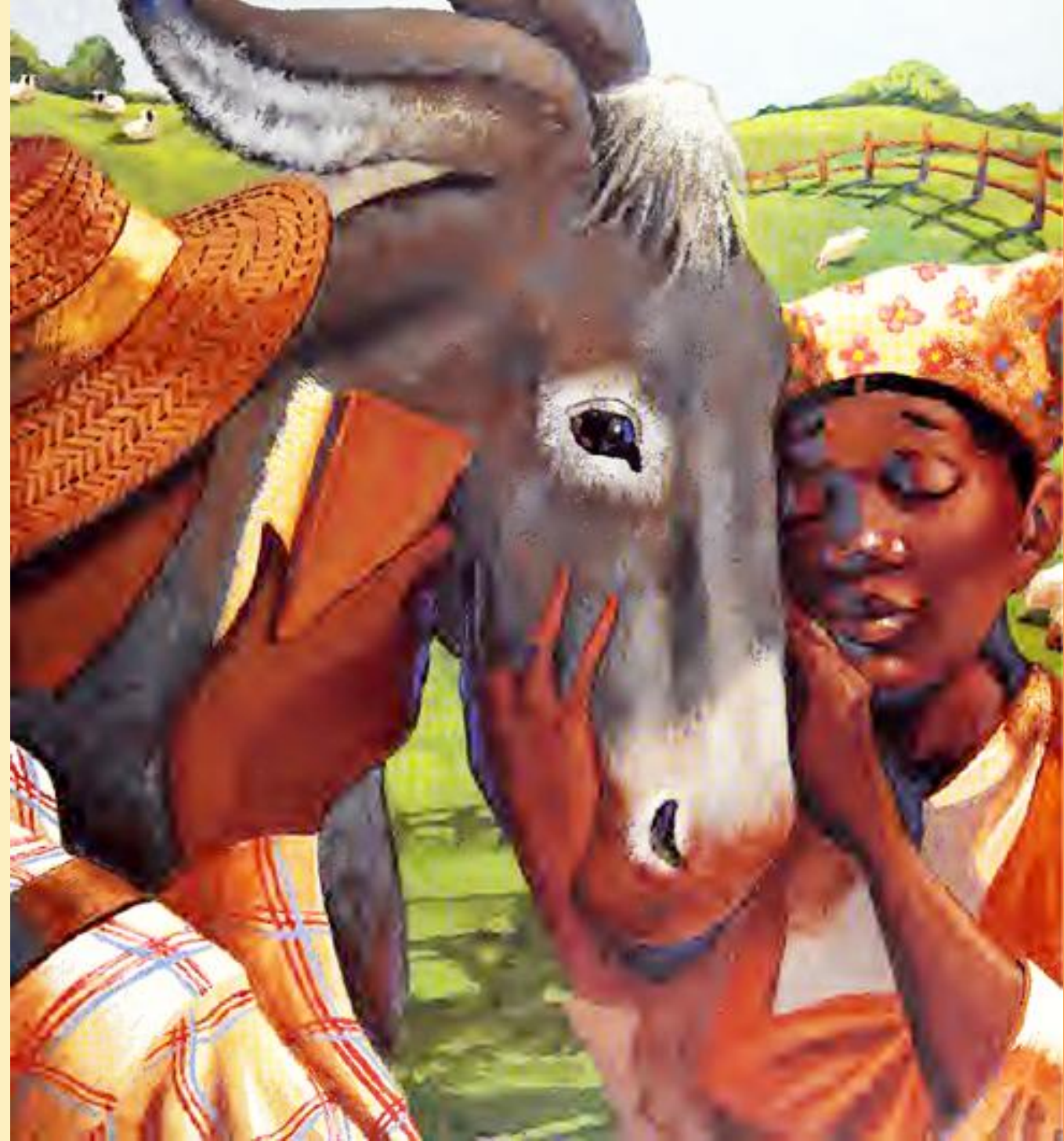
"बेले और एडा नाम के एक अन्य खच्चर को अटलांटा के लिए एक ट्रक में लोड किया गया. लेकिन हमेशा की तरह, यह काम आसान नहीं था. राज्य पुलिस ने ट्रक को रोका और ड्राइवरों से जानवरों को राज्य से बाहर ले जाने का परमिट दिखाने को कहा. सही कागजात न होने के कारण पुलिस ने ड्राइवरों को गिरफ्तार करने की धमकी दी.

"हमने अटलांटा में डॉ. किंग के मुख्यालय को यह खबर दी, और उन्होंने तुरंत राज्य पुलिस, अलबामा और जॉर्जिया के राज्यपालों से बात की. उन्होंने कहा कि अगर पुलिस ने डॉ. किंग के अंतिम संस्कार में जाने से रोका तो पूरे देश में समाचारों और टीवी पर यह बात बेहद शर्मनाक लगेगी. उसके बाद, सैनिकों ने हमारे बेले और एडा को अटलांटा में प्रवेश करवाया."

"क्या बेले ने डॉ. मार्टिन लूथर किंग का ताबूत खींचा?" एलेक्स ने पूछा.

"हाँ, बेले और एडा ने बहादुरी से साढ़े तीन मील की दूरी तक डॉ. किंग का ताबूत खींचा. वो लाखों रोते-बिलखते हुए लोगों के बीच से गुज़रे. जैसे-जैसे ताबूत आगे बढ़ा, लोग बाहर निकले और फिर उन्होंने खच्चरों और ताबूत को छुआ. कल्पना करो, उन खच्चरों को हजारों हाथों ने छुआ! लेकिन वे धीमे और स्थिर होकर चलते रहे. न वे पीछे हटे या न ही डरे. वे बस चलते रहे.

"डॉ. किंग के अंतिम संस्कार को दुनिया के सभी टीवी चैनल पर दिखाया गया. एबेनेज़र बैपटिस्ट चर्च के आसपास साठ हजार लोग इकट्ठा हुए, और दसों हज़ार लोगों ने सड़कों पर लाइन लगाई. हमने अपने आप पर बहुत गर्व महसूस किया! और यही कारण है कि हम गीस-बेंड में अपने आखिरी खच्चर को बहुत प्यार करते हैं. इसीलिये मैं बूढ़ी बेले को पेट भरकर अपने बगीचे की सब्ज़ियां खाने देती हूँ."

एलेक्स और मिज़ पेट्टवे ने बूढ़ी बेले को देखा. उसने अब सब्ज़ियां चबाना बंद कर दी थीं और उसने सर उठाकर उन्हें देखा. फिर वे दोनों हंस पड़े.

"देखो, अब उसका पेट भर गया है," मिज़ पेट्टवे ने धीरे-धीरे बेंच से उठते हुए कहा. "क्या तुम उससे मिलना चाहोगे?"

"हाँ, मैम." एलेक्स सीढ़ियों से नीचे उतरा और बेले के पास गया. वहां जाकर उसने बेले के रोयेंदार कानों को सहलाया. एलेक्स ने खच्चर की आंखों में देखा और अचरज किया कि उस खच्चर ने कितना महत्वपूर्ण इतिहास देखा होगा. एलेक्स ने कहा, "मुझे बेले के बारे में बताने के लिए आपका धन्यवाद."

"अब तुम्हें डॉ. किंग के कहने का क्या मतलब था वो समझ में आया होगा. उन्होंने हम से कहा था कि भले ही हम सरल, कठिन जीवन जीते हों, फिर भी हमारा अपना एक वज़ूद है," उन्होंने कहा.

"यहां तक कि एक बूढ़ा खच्चर भी हीरो हो सकता है," एलेक्स ने कहा. मिज़ पेट्टवे मुस्कुराईं और फिर वो बेले को अपने पीछे लेकर दूर चली गईं.
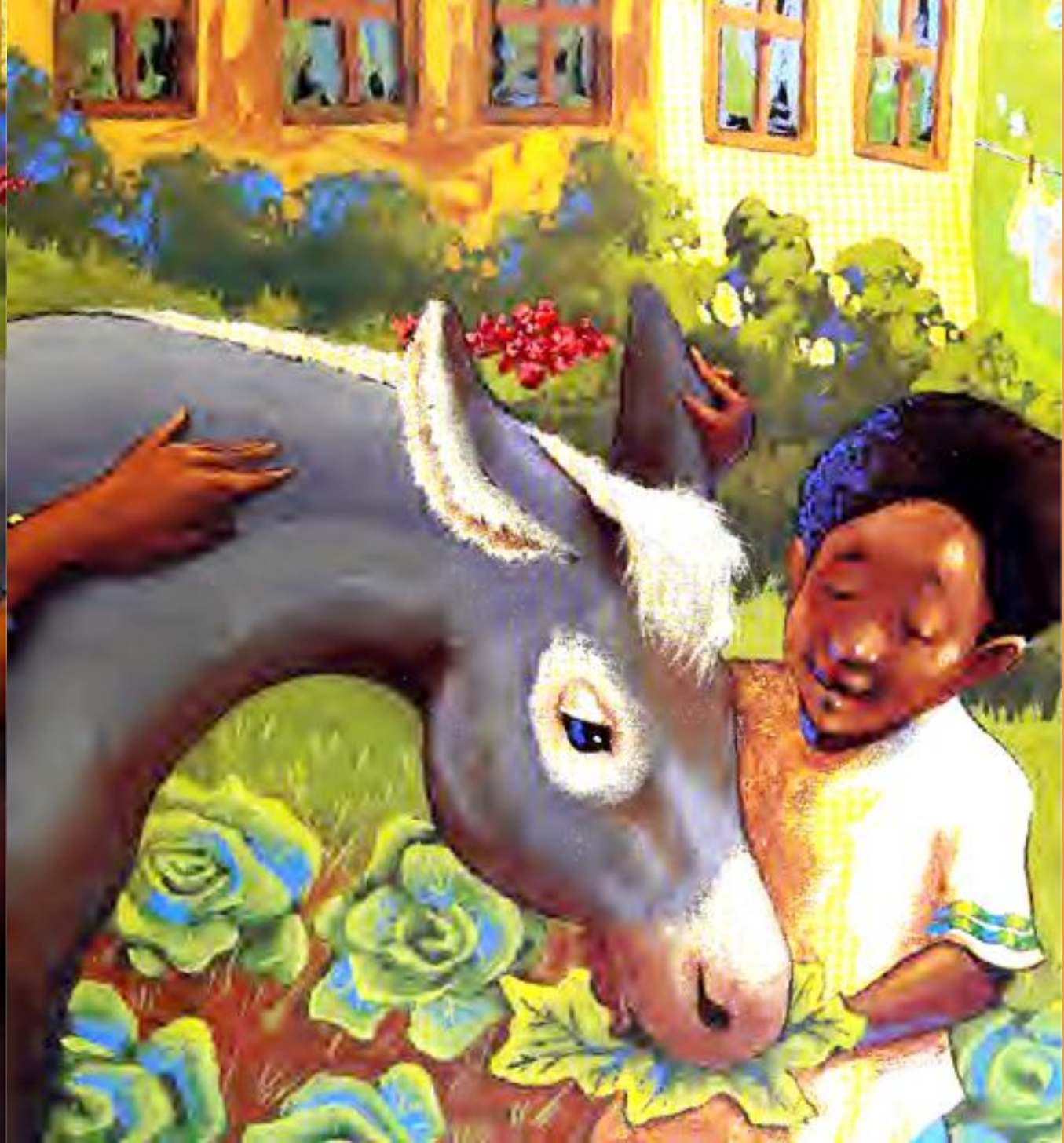
लेखक का नोट

मैंने पहली बार रेवरेंड जेम्स ई. ऑरेंज से बेले की कहानी सुनी. जब नागरिक अधिकार नेता डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर की अप्रैल 4, 1968 को हत्या हुई तब वे उनके साथ ही काम कर रहे थे. डॉ. किंग की इच्छा थी कि जो खच्चर खेत में हल चलाते हैं वही उनके ताबूत को खींचें. उन्होंने जीवन भर गरीब अश्वेत लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए काम किया था. खच्चर उन लोगों एक शक्तिशाली प्रतीक था.

रेवरेंड ऑरेंज को खच्चरों को खोजने का काम दिया गया. उन्हें याद था कि डॉ. किंग ने कई मौकों पर गीस-बेंड में लोगों को भाषण दिए थे और वहां के लोग अन्य स्थानों पर उनके साथ मोर्चों में भी शामिल हुए थे. वो यह जानते थे कि डॉ. किंग लंबे समय से बेंडर्स के प्रशंसक थे और बेंडेर्स सरल लोग थे जिन्होंने अनेकों कठिनाइयों का सामना किया था.

गीस-बेंड और वहां के खच्चर डॉ.मार्टिन लूथर किंग जूनियर के इतिहास में एक बड़ी भूमिका निभाएंगे, जैसा रोल डॉ. किंग ने वहां के लोगों की ज़िंदगी में निभाया था. दरअसल, 1965 के नेशनल वोटिंग राइट्स एक्ट के पारित होने के बाद अपना वोट डालने वाले पहले अफ्रीकी अमेरिकियों में से कैमडेन, अलबामा के लोग थे. कुछ साल बाद, कैमडेन ने बीसवीं शताब्दी के पहले अश्वेत शेरिफ को चुना.

जब डॉ. किंग की हत्या की खबर आई, तो बेंडर्स आसानी से दो खच्चर भेजने को तैयार हो गए - बेले और एडा को. जानवरों को एक पिकअप ट्रक में लादा गया. पर यात्रा के शुरू में ही ट्रक को राज्य की सीमा पर रोक दिया गया. जब ड्राइवर पशुओं को ले जाने का परमिट नहीं दिखा पाया तो उसे अटलांटा जाने की अनुमति नहीं मिली.

सहायता मांगने के लिए अलबामा और जॉर्जिया दोनों के राज्यपालों को डॉ. किंग के कर्मचारियों ने फोन किए. यह पता चलने पर कि वो कार्रवाई अंतिम संस्कार में देरी करेगी और जब उसे राष्ट्रीय समाचार बनाने की धमकी दी, तभी दोनों राज्यपाल राज़ी हुए और उन्होंने बेंडर्स के खच्चरों को अटलांटा जाने की अनुमति दी.

9 अप्रैल, 1968 को बेले और एडा ने एबेनेज़र बैपटिस्ट चर्च से मोरहाउस कॉलेज तक धीमे-धीमे विनम्रता के साथ डॉ. किंग के ताबूत की वैगन को खींचा. वहां पर डॉ. किंग्स के एक शिक्षक रेवरेंड बेंजामिन मेस ने डॉ. किंग को श्रंद्धाजलि अर्पित की. अनुमान है कि पचास हजार लोगों ने वैगन के पीछे चुपचाप जुलूस निकाला. बेले और एडा ने अपना रोल अच्छी तरह निभाया.